दिनांक 15 नवम्बर, 2017 को मोरहाबादी मैदान, रांची में राज्य स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर माननीया राज्यपाल महोदया का सम्बोधन

समारोह के मुख्य अतिथि भारत के माननीय राष्ट्रपति जी, माननीय मुख्यमंत्री–सह–समारोह के अध्यक्ष श्री रघुवर दास जी, समारोह के विशिष्ट अतिथि माननीय केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री सुदर्शन भगत जी एवं श्री जयन्त सिन्हा जी, सम्मानित अतिथि राज्य के माननीय मंत्रीगण, उपस्थित सभी माननीय सासंदगण, माननीय विधायकगण, सभी पदाधिकारी एवं कर्मीगण तथा भाइयों एवं बहनों!

जोहार!

2. झारखण्ड राज्य स्थापना दिवस के इस पावन अवसर पर मैं आप सभी को बधाई देती हूँ तथा अभिनन्दन करती हूँ। सर्वप्रथम मैं राष्ट्रपति महोदय का इस कार्यक्रम में आने हेतु आभार प्रकट करती हूँ। उनकी गरिमामयी उपस्थिति ने इस कार्यक्रम की शोभा को और बढ़ाने का कार्य किया है। आज राज्य के स्थापना दिवस के साथ धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा का जन्म दिवस भी है। सबसे पहले मैं उन्हें नमन करती हूँ, तथा उनके प्रति अपनी श्रद्धा–सुमन अर्पित करती हूँ। इस ऐतिहासिक अवसर पर मैं, वीर सिद्धो–कान्हो, चाँद, भैरव, नीलाम्बर–पीताम्बर, ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव, पाण्डेय गणपत राय, शेख भिखारी और अन्य सभी महान सपूतों को भी नमन करती हूँ। राज्य उत्सव के इस सुखद बेला में, मैं राज्य के उन सभी महान विभूतियों के प्रति भी अपनी श्रद्धा–सुमन अर्पित करती हूँ, जिनके अथक प्रयास, दूरदर्शिता एवं बलिदान के कारण झारखण्ड राज्य के निर्माण का सपना पूरा हो सका।

3. आज हमारा राज्य अपने स्थापना के **18**वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। राज्य ने विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति की है और भारत के नव–निर्माण में महती भूमिका का निर्वह्न कर रहा है। राज्य ने शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, कृषि एवं आधारभूत संरचना का विकास, भ्रष्टाचार–उन्मूलन, डिजिटल झारखण्ड, कैशलेस झारखण्ड आदि के क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करायी है।

4. आज माननीय राष्ट्रपति जी ने अपने व्यस्त कार्यक्रमों के बावजूद राज्य स्थापना दिवस के इस गौरवशाली अवसर पर अपना बहुमूल्य समय दे कर हम सभी को कृतार्थ किया है। इसके लिए मैं, झारखण्ड की समस्त जनता की ओर से उन्हें धन्यवाद देती हूँ। झारखण्ड की विकास यात्रा को आगे बढ़ाने की दिशा में आज राज्य की कुछ महत्वपूर्ण योजनाओं का शुभारंभ माननीय राष्ट्रपति जी के कर–कमलों द्वारा किया गया है।

5. आज इस ऐतिहासिक अवसर पर शुभारम्भ की गई एक महत्वपूर्ण योजना ‘‘जोहार योजना’’ है। इसके तहत् राज्य के **2** लाख परिवारों को आजीविका के साधनों से जोड़कर उनकी आय को बढ़ाने हेतु इस योजना के तहत ग्रामीण परिवारों को उन्नत कृषि एवं सिंचाई के साधन, मछली पालन, पशुपालन तथा कौशल विकास से जोड़कर उनकी आजीविका को सशक्त बनाते हुए उनकी आय में वृद्धि की जायेगी। इस योजना में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के परिवारों को प्राथमिकता देने का प्रावधान है, वहीं **50** फीसदी से अधिक महिला किसानों को भी इससे लाभ होगा।

6. हमारे संविधान की मूल भावना एक लोक–कल्याणकारी राज्य की स्थापना करना है। जन–कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी दिशा में आज मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना एवं **108 Ambulance** सेवा का शुभारम्भ हुआ है। जहाँ मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना के अन्तर्गत राज्य के **57** लाख परिवार लाभान्वित हो सकेंगे। वहीं **108 Ambulance** योजना के अन्तर्गत राज्य के नागरिकों को मुफ्त आपातकालीन चिकित्सीय वाहन सेवा आसानी से उपलब्ध हो सकेगा, ऐसी अपेक्षा है।

7. स्वास्थ्य सेवा के उन्नयन हेतु राज्य में दुमका, हजारीबाग एवं पलामू में तीन नये मेडिकल कॉलेज के साथ–साथ देवघर में **AIIMS** की स्थापना हेतु सरकार प्रयासरत है। शिक्षा को आधुनिक एवं स्तरीय बनाने हेतु भी गंभीर प्रयास किये जा रहे हैं।

8. शिक्षा ही आधुनिक एवं स्वच्छ लोकतांत्रिक समाज की आधारशिला है। राज्य की शिक्षा व्यवस्था को उन्नत करने की दिशा में **e-** विद्यावाहिनी योजना सरकार का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इस योजना के अन्तर्गत राज्य के विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं सतत् अनुश्रवण हेतु **41** हजार टैबलेट राज्य के सरकारी विद्यालयों को उपलब्ध कराये जा रहे हैं। इसका प्रयोग, शिक्षक पढ़ाई के दौरान कभी भी कर सकते हैं। इन टैबलेट्स में, राज्य में विकसित ई-विद्यावाहिनी **Online Application** डाला गया है, जिसके माध्यम से शिक्षक प्रतिदिन **Biometric** आधारित उपस्थिति दर्ज करायेंगे तथा बच्चों की उपस्थिति भी प्रतिदिन ली जा सकेगी।

9. आज के इस समारोह में नव–नियुक्त **Principals, Doctors, Specialists** एवं **+2** उच्च विद्यालय के शिक्षकों को माननीय राष्ट्रपति जी द्वारा नियुक्ति–पत्र का वितरण किया गया है। मैं, इन नव–नियुक्तों को शुभकामना देती हूँ। साथ ही यह भी कहना चाहती हूँ कि राज्य की जनता को आपसे बहुत अपेक्षायें हैं, उन अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए आप सब पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें।

10. अन्त में, मैं पुनः आप सभी को स्थापना दिवस की बधाई देती हूँ। आइए! हम सब मिलकर सुखी–समृद्ध झारखण्ड के निर्माण का संकल्प लें। मुझे आशा ही नहीं, अपितु पूर्ण विश्वास है कि हम सभी के सम्मिलित प्रयास से हमारा झारखण्ड हर क्षेत्र में प्रगति करते हुए सभी दिशाओं में अपनी चमक बिखेरेगा।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!